

उत्तराखण्ड शासन
माध्यमिक शिक्षा अनुभाग-नवसृजित
संख्या: 601(A)/XXIV-नवसृजित/2014-32(01)/2013
देहरादून: दिनांक 23, दिसम्बर, 2014

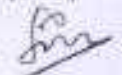
अधिसूचना संख्या-601/ XXIV-नवसृजित/2014-32(01)/2013, दिनांक 23 दिसम्बर 2014 द्वारा प्रख्यापित "उत्तराखण्ड शिक्षक (विद्यालयी शिक्षा) प्रथम नियुक्ति, पदोन्नति एवं स्थानान्तरण पर पदस्थापना (चतुर्थ संशोधन) नियमावली, 2014 की प्रति निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. निदेशक, मुद्रण एवं लेखन सामग्री रुड़की (हरिद्वार) को इस अनुरोध के साथ प्रेषित कि कृपया अधिसूचना को असाधारण गजट, विधायी परिशिष्ट भाग-4 में मुद्रित करा कर इसकी 500 प्रतियाँ शिक्षा अनुभाग-नवसृजित की यथा शीघ्र उपलब्ध कराने का कष्ट करें।
2. निजी सचिव, मा० विद्यालयी शिक्षा मंत्री जी।
3. समस्त प्रमुख सचिव/सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
4. प्रमुख सचिव, मा० मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड शासन।
5. प्रमुख सचिव, श्री राज्यपाल, उत्तराखण्ड।
6. प्रमुख सचिव, विधान सभा, उत्तराखण्ड।
7. महाधिवक्ता, उत्तराखण्ड, नैनीताल।
8. मण्डलायुक्त, गढ़वाल एवं कुमायूँ मण्डल, पौड़ी एवं नैनीताल, उत्तराखण्ड।
9. महानिदेशक, विद्यालयी शिक्षा, उत्तराखण्ड।
10. महानिदेशक सूचना एवं लोक सम्पर्क निदेशालय, उत्तराखण्ड देहरादून।
11. स्टाफ आफिसर, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
12. निदेशक प्राथमिक शिक्षा, उत्तराखण्ड।
13. निदेशक माध्यमिक शिक्षा उत्तराखण्ड।
14. निदेशक, आकादमिक, शोध एवं प्रशिक्षण उत्तराखण्ड।
15. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
16. समस्त मण्डलीय अपर निदेशक, माध्यमिक शिक्षा एवं बेसिक शिक्षा, उत्तराखण्ड।
17. अधिशासी निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर देहरादून।
18. समस्त मुख्य शिक्षा अधिकारी, उत्तराखण्ड।

संलग्नक-यथोक्त।



आज्ञा से,


(वी०एस०पुण्डरीर)
अनु सचिव

उत्तराखण्ड शासन
माध्यमिक शिक्षा, अनुभाग-(नवसृजित)
संख्या: 601 / XXIV-(नवसृजित) / 2014-32(01) / 2013
देहरादून, दिनांक : 23 दिसम्बर, 2014

अधिसूचना

प्रकीर्ण

राज्यपाल, 'भारत का संविधान' के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करके उत्तराखण्ड शिक्षक (विद्यालयी शिक्षा) प्रथम नियुक्ति, पदोन्नति एवं स्थानान्तरण पर पदस्थापना नियमावली, 2013 में अग्रेत्तर संशोधन करने की दृष्टि से निम्नलिखित नियमावली बनाते हैं:-

उत्तराखण्ड शिक्षक (विद्यालयी शिक्षा) प्रथम नियुक्ति, पदोन्नति एवं स्थानान्तरण पर पदस्थापना (चतुर्थ संशोधन) नियमावली, 2014

संक्षिप्त नाम और
प्रारम्भ

1(1) उत्तराखण्ड शिक्षक (विद्यालयी शिक्षा) प्रथम नियुक्ति, पदोन्नति एवं स्थानान्तरण पर पदस्थापना (चतुर्थ संशोधन) नियमावली, 2014 है।

(2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगी।

नियम-4(1).

4(2)(ख) 5(1).

5(2), 7, 8, 9(1).

10(1)(अ)(ख)

(तीन), 10(2)

(ख), 10(2)(ग),

10(2) (घ), 10(2)

(छ), 10(2)(अ),

10(2), 10(2)(अ)

के अन्त में

टिप्पणी, 11(3)

(क), 11(3)(ग).

11(3)(च), 20, 22

(1), 22(2), 29(1)

(2) एवं परिशिष्ट

'क' का संशोधन

तथा परिशिष्ट

क(1) व परिशिष्ट

क(2) अन्तस्थापन

2. उत्तराखण्ड शिक्षक (विद्यालयी शिक्षा) प्रथम नियुक्ति, पदोन्नति एवं स्थानान्तरण पर पदस्थापना नियमावली, 2013 में एतदपश्चात् इंगित विवरणानुसार स्तम्भ-1 में नियम 4(1), 4(2)(ख) 5(1), 5(2), 7, 8, 9(1), 10(1) (अ) (ख) (तीन), 10(2) (ख), 10(2)(ग), 10(2) (घ), 10(2)(छ), 10(2)(अ), 10(2), 10(2)(अ) के अन्त में टिप्पणी, 11(3)(क), 11(3)(ग), 11(3)(च), 20, 22(1), 22(2), 29(1)(2) एवं परिशिष्ट 'क' के स्थान पर स्तम्भ-2 में दिये गये नियम रख दिये जायेंगे, तथा परिशिष्ट 'क' के बाद परिशिष्ट क(1) व परिशिष्ट क(2) अन्तस्थापित कर दिया जायेगा; अर्थात्-

[Signature]

[Signature]

स्तम्भ-1	स्तम्भ-2
वर्तमान नियम	एतद्वारा प्रतिस्थापित नियम
<p>नियम-4(1) का संशोधन</p> <p>3. शिक्षकों की पदस्थापना हेतु विद्यालयों को निम्नांकित श्रेणियों में वर्गीकृत किया जायेगा :-</p> <p>(1) विद्यालयों में उपलब्ध सुविधाओं (सड़क, विद्युत, पानी, चिकित्सा, शिक्षा, दूरसंचार, ऊँचाई, आवास, यातायात के साधन, बाजार आदि) के आधार पर विद्यालयों को प्राप्त गुणों के अनुसार सर्वोच्च गुणों से प्रारम्भ करते हुए क्रमशः छः श्रेणियों (A, B, C, D, E, F) में विभक्त किया जायेगा। A, B, C श्रेणी के विद्यालयों को X क्षेत्र तथा D, E, F श्रेणी के विद्यालयों को Y क्षेत्र के विद्यालयों के नाम से जाना जायेगा। ग्रेडिंग के मानकों का निर्धारण समय-समय पर शासन द्वारा किया जायेगा।</p>	<p>शिक्षकों की पदस्थापना हेतु विद्यालयों को निम्नांकित श्रेणियों में वर्गीकृत किया जायेगा:-</p> <p>(1) विद्यालयों में उपलब्ध सुविधाओं (सड़क, विद्युत, पानी, चिकित्सा, शिक्षा, दूरसंचार, ऊँचाई, आवास, यातायात के साधन, बाजार, रेलवे स्टेशन से दूरी आदि) के आधार पर विद्यालयों को प्राप्त गुणों के अनुसार सर्वोच्च गुणों से प्रारम्भ करते हुए क्रमशः छः श्रेणियों (A, B, C, D, E, F) में विभक्त किया जायेगा। A, B, C श्रेणी के विद्यालयों को X क्षेत्र तथा D, E, F श्रेणी के विद्यालयों को Y क्षेत्र के विद्यालयों के नाम से जाना जायेगा। ग्रेडिंग के मानकों का निर्धारण समय-समय पर शासन द्वारा किया जायेगा।</p> <p>परन्तु नवीन मानक रेलवे स्टेशन से दूरी के कारण विद्यालयों के कोटिकरण में होने वाले परिवर्तन का प्रभाव भविष्यवाणी होगा तथा पूर्व में इस नियमावली के प्राविधानों के अन्तर्गत किये गये स्थानान्तरण प्रभावित नहीं होंगे।</p>
<p>नियम-4(2) (ख) का संशोधन</p> <p>4. (ख) राजकीय माध्यमिक विद्यालयों का कोटिकरण:-</p> <p>मण्डल के अन्तर्गत स्थित समस्त जनपदों द्वारा राजकीय हाईस्कूल व इण्टरमीडिएट कॉलेजों के निर्धारित गुणों की सूची, मण्डलीय कार्यालय को उपलब्ध करवाई जायेगी। मण्डलीय समिति द्वारा समस्त जनपदों से प्राप्त सूची को एक साथ संकलित कर गुणों के आधार पर अवरोही क्रम में सूचीबद्ध कर मण्डल की भौगोलिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए मण्डल के समस्त राजकीय माध्यमिक विद्यालयों को इस प्रकार से छः श्रेणियों में विभाजित किया जायेगा कि यथा सम्भव X क्षेत्र में 40 प्रतिशत व Y क्षेत्र में 60 प्रतिशत अथवा शासन द्वारा समय-समय पर X क्षेत्र व Y क्षेत्र में निर्धारित</p>	<p>(ख) राजकीय माध्यमिक विद्यालयों का कोटिकरण:-</p> <p>मण्डल के अन्तर्गत स्थित समस्त जनपदों की जनपदीय समिति द्वारा राजकीय हाईस्कूल व इण्टरमीडिएट कॉलेजों के निर्धारित गुणों की सूची, अनुमोदनोपरान्त मण्डलीय कार्यालय को उपलब्ध करवाई जायेगी। मण्डलीय समिति द्वारा समस्त जनपदों से प्राप्त सूची को एक साथ संकलित कर गुणों के आधार पर अवरोही क्रम में सूचीबद्ध कर मण्डल की भौगोलिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए मण्डल के समस्त राजकीय माध्यमिक विद्यालयों को इस प्रकार से छः श्रेणियों में विभाजित किया जायेगा कि यथा सम्भव X क्षेत्र में 40 प्रतिशत व Y क्षेत्र में 60 प्रतिशत अथवा शासन द्वारा समय-समय पर X क्षेत्र व Y क्षेत्र में निर्धारित अनुपात के अनुसार विद्यालय आ सकें।</p> <p>परन्तु मण्डलान्तर्गत समस्त राजकीय बालिका माध्यमिक विद्यालयों का कोटिकरण निर्धारित शर्तों के अधीन मण्डलीय समिति द्वारा पृथक से किया जायेगा।</p>

4/10/20

	अनुपात के अनुसार विद्यालय आ सके।	
नियम-5(1) का संशोधन	<p>5. राजकीय प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों का श्रेणी निर्धारण, जनपद स्तर पर निम्नांकित समिति द्वारा किया जायेगा, जिसमें निम्नलिखित सदस्य होंगे:-</p> <p>(क) जिलाधिकारी (अथवा जिलाधिकारी द्वारा नामित अपर जिलाधिकारी स्तर से अन्यून स्तर का अधिकारी) -अध्यक्ष;</p> <p>(ख) मुख्य शिक्षा अधिकारी -उपाध्यक्ष;</p> <p>(ग) जिला शिक्षा अधिकारी प्रारम्भिक शिक्षा -सदस्य सचिव;</p> <p>(घ) जिला पंचायत राज अधिकारी -सदस्य;</p> <p>(ङ) सहायक सम्मागीय परिवहन अधिकारी - सदस्य;</p> <p>(च) समस्त विकास खण्डों के उप शिक्षा अधिकारी -सदस्य।</p>	<p>राजकीय प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों का श्रेणी निर्धारण एवं माध्यमिक विद्यालयों की श्रेणी का अग्रसारण जनपद स्तर पर निम्नांकित समिति द्वारा किया जायेगा, जिसमें निम्नलिखित सदस्य होंगे :-</p> <p>(क) जिलाधिकारी (अथवा जिलाधिकारी द्वारा नामित अपर जिलाधिकारी स्तर से अन्यून स्तर का अधिकारी) -अध्यक्ष;</p> <p>(ख) मुख्य शिक्षा अधिकारी -उपाध्यक्ष;</p> <p>(ग) जिला शिक्षा अधिकारी प्रारम्भिक शिक्षा/माध्यमिक शिक्षा -सदस्य सचिव</p> <p>(घ) जिला पंचायत राज अधिकारी -सदस्य;</p> <p>(ङ) सहायक सम्मागीय परिवहन अधिकारी - सदस्य;</p> <p>(च) समस्त विकास खण्डों के उप शिक्षा अधिकारी/खण्ड शिक्षा अधिकारी -सदस्य।</p> <p>नोट-(1) मान्यता प्राप्त जनपदीय राजकीय प्रा० शिक्षक संघ/रा० उच्च प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष/महामंत्री (आमंत्रित सदस्य के रूप में)</p> <p>(2) माध्यमिक विद्यालयों के लिये राजकीय शिक्षक संघ के जनपदीय अध्यक्ष/मंत्री (आमंत्रित सदस्य के रूप में)</p>
नियम-5(2) का संशोधन	<p>6. राजकीय माध्यमिक विद्यालयों का श्रेणी निर्धारण, मण्डल स्तर पर निम्नांकित समिति द्वारा किया जायेगा, जिसमें निम्नलिखित सदस्य होंगे :-</p> <p>(क) मण्डलीय अपर निदेशक (माध्यमिक)- अध्यक्ष;</p> <p>(ख) मण्डल मुख्यालय का मुख्य शिक्षा अधिकारी- सदस्य सचिव;</p> <p>(ग) मण्डल के अन्तर्गत समस्त जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) -सदस्य।</p>	<p>राजकीय माध्यमिक विद्यालयों का श्रेणी निर्धारण, मण्डल स्तर पर निम्नांकित समिति द्वारा किया जायेगा, जिसमें निम्नलिखित सदस्य होंगे :-</p> <p>(क) सम्बन्धित मण्डल के मण्डलायुक्त- अध्यक्ष;</p> <p>(ख) मण्डलीय अपर निदेशक (माध्यमिक) -सदस्य सचिव;</p> <p>(ग) मण्डल मुख्यालय का मुख्य शिक्षा अधिकारी -सदस्य;</p> <p>(घ) मण्डल के अन्तर्गत समस्त जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) - सदस्य।</p> <p>नोट- मान्यता प्राप्त मण्डलीय राजकीय शिक्षक संघ के अध्यक्ष/महामंत्री (आमंत्रित सदस्य के रूप में)</p>
नियम-7 का संशोधन	<p>7. किसी क्षेत्र विशेष की किसी श्रेणी विशेष में की गयी सेवा की गणना के लिए उस क्षेत्र में अथवा श्रेणी में एक अथवा एक से अधिक बार तथा एक अथवा अधिक पदों पर की गयी समस्त सेवा को जोड़ कर गणना जैसा परिशिष्ट 'क' में प्रदर्शित है, के अनुसार की जायेगी। परन्तु यह कि माइग्रेशन</p>	<p>किसी क्षेत्र विशेष की किसी श्रेणी विशेष में की गयी सेवा की गणना के लिए उस क्षेत्र में अथवा श्रेणी में एक अथवा एक से अधिक बार तथा एक अथवा अधिक पदों पर की गयी समस्त सेवा को जोड़ कर गणना जैसा परिशिष्ट 'क' में प्रदर्शित है, के अनुसार की जायेगी;</p> <p>परन्तु यह कि माइग्रेशन विद्यालय के सन्दर्भ में उस विद्यालय संचालन के अन्तर्गत भिन्न-भिन्न स्थानों में की गयी सम्पूर्ण सेवा की गणना इस प्रकार की जायेगी कि वह सम्पूर्ण सेवा</p>

Signature

	<p>विद्यालय के सन्दर्भ में उस विद्यालय संचालन के अन्तर्गत भिन्न-भिन्न स्थानों में की गयी सम्पूर्ण सेवा की गणना इस प्रकार की जायेगी कि वह सम्पूर्ण सेवा अवधि उच्च पर्वतीय क्षेत्र में स्थित मूल विद्यालय में की गयी सेवा है। "माइग्रेशन विद्यालय" से ऐसा विद्यालय अभिप्रेत है, जो गर्मी एवं सर्दी में भिन्न-भिन्न स्थानों में संचालित होते हैं :</p> <p>परन्तु यह और कि Y क्षेत्र की किसी श्रेणी में सेवा की गणना के लिए शिक्षक द्वारा उस श्रेणी की सेवा की अवधि में लिये गये अवैतनिक अवकाश के दिनों को कुल सेवा अवधि से घटाया जायेगा।</p>	<p>अवधि उच्च पर्वतीय क्षेत्र में स्थित मूल विद्यालय में की गयी सेवा है। "माइग्रेशन विद्यालय" से ऐसा विद्यालय अभिप्रेत है, जो गर्मी एवं सर्दी में भिन्न-भिन्न स्थानों में संचालित होते हैं;</p> <p>परन्तु यह और कि Y क्षेत्र की किसी श्रेणी में सेवा की गणना के लिए शिक्षक द्वारा उस श्रेणी की सेवा की अवधि में लिये गये अवैतनिक अवकाश के दिनों को कुल सेवा अवधि से घटाया जायेगा;</p> <p>परन्तु यह भी कि परिशिष्ट (क)-1 व 2 के अनुसार शिक्षक की नियमित उपस्थिति, शैक्षिक गुणवत्ता/छात्र नामांकन (जो लागू हो) में वृद्धि के आधार पर अर्जित गुणांको को शिक्षक के सम्पूर्ण सेवा गुणांको में Y क्षेत्र के सेवा गुणांको में जोड़कर गणना की जायेगी।</p>
<p>नियम-8 का संशोधन</p>	<p>8. शिक्षकों की प्रथम नियुक्ति पर पदस्थापना केवल Y क्षेत्र के D, E, F श्रेणी के विद्यालयों में ही की जायेगी :</p> <p>परन्तु यह कि विकलांग शिक्षकों की Y क्षेत्र के D, E, F श्रेणी के विद्यालयों में पदस्थापना की बाध्यता नहीं होगी :</p> <p>परन्तु यह और कि महिला शाखा (माध्यमिक शिक्षा) के सन्दर्भ में D, E, F श्रेणी के विद्यालयों में जिस विषय विशेष में अध्यापन न होता हो, उस विषय विशेष में X क्षेत्र के A, B, C श्रेणी में भी पदस्थापना की जा सकेगी। यह भी कि महिला शाखा के सन्दर्भ में ही X क्षेत्र के किसी विद्यालय में किसी विषय विशेष में रिक्त पद पर स्थानान्तरण के लिए इच्छुक अभ्यर्थी उपलब्ध न होने की स्थिति में उस विषय विशेष में X क्षेत्र के विद्यालयों में भी नियुक्ति पर पदस्थापना की जा सकेगी, परन्तु ऐसी स्थिति में प्रथमतः विकलांग अभ्यर्थी को और तत्पश्चात् मेरिट क्रम में उच्च वरीयता प्राप्त महिला अभ्यर्थी को प्राथमिकता दी जायेगी।</p>	<p>शिक्षकों की प्रथम नियुक्ति पर पदस्थापना केवल Y क्षेत्र के D, E, F श्रेणी के विद्यालयों में ही की जायेगी : परन्तु शिक्षिकाओं को प्रथम नियुक्ति में यथा सम्भव D श्रेणी के विद्यालयों में पदस्थापित किया जा सकेगा;</p> <p>परन्तु यह कि विकलांग शिक्षकों की Y क्षेत्र के D, E, F श्रेणी के विद्यालयों में पदस्थापना की बाध्यता नहीं होगी ;</p> <p>परन्तु यह और कि महिला शाखा (माध्यमिक शिक्षा) के सन्दर्भ में D, E, F श्रेणी के विद्यालयों में जिस विषय विशेष में अध्यापन न होता हो, उस विषय विशेष में X क्षेत्र के A, B, C श्रेणी में भी पदस्थापना की जा सकेगी। यह भी कि महिला शाखा के सन्दर्भ में ही X क्षेत्र के किसी विद्यालय में किसी विषय विशेष में रिक्त पद पर स्थानान्तरण के लिए इच्छुक अभ्यर्थी उपलब्ध न होने की स्थिति में उस विषय विशेष में X क्षेत्र के विद्यालयों में भी नियुक्ति पर पदस्थापना की जा सकेगी, परन्तु ऐसी स्थिति में प्रथमतः विकलांग अभ्यर्थी को और तत्पश्चात् मेरिट क्रम में उच्च वरीयता प्राप्त महिला अभ्यर्थी को प्राथमिकता दी जायेगी।</p> <p>परन्तु यह और कि सामान्य अथवा महिला शाखा के किसी विषय विशेष अथवा पद में Y क्षेत्र में पद रिक्त न होने की दशा में Y क्षेत्र में संबंधित विषय/पद पर कार्यरत शिक्षक, जो अनिवार्य स्थानान्तरण की अर्हता पूर्ण करने वाले शिक्षकों अथवा Y क्षेत्र में सर्वाधिक गुणांक वाले शिक्षकों में से अवरोही क्रम में उनकी सहमति के आधार पर X क्षेत्र में स्थानान्तरित/ समायोजित कर उतारने</p>

Signature

		<p>पद रिक्त किये जायेंगे, जिन पर प्रथम नियुक्ति पर शिक्षकों की पदस्थापना की जा सकेगी। स्थानान्तरण/समायोजन की निर्धारित समय सारिणी से इत्तर होने पर स्थानान्तरण समिति, नियम-26 में अपीलीय व्यवस्था हेतु अधिकृत अपीलीय अधिकारी से अनुमति प्राप्त कर सकेगी।</p>
<p>नियम-9(1) का संशोधन</p>	<p>9. (1) शिक्षकों की पदोन्नति पर पदस्थापना केवल Y क्षेत्र के D, E, F श्रेणी के विद्यालयों में ही की जायेगी।</p> <p>परन्तु यह कि ऐसे शिक्षक जिनके द्वारा वर्तमान अथवा पूर्व में Y क्षेत्र के विद्यालयों में की गई सेवा का कुल सेवा गुणांक परिशिष्ट 'क' के क्रमांक-1 के अनुसार 15 अथवा जैसा कि समय-समय पर शासन द्वारा निर्धारित किया जाए प्राप्त कर लिए हों, को Y क्षेत्र के विद्यालयों में पदोन्नत करने की बाध्यता नहीं होगी, बशर्ते कि X क्षेत्र के विद्यालयों में पद रिक्त हो :</p> <p>परन्तु यह कि किसी स्थान विशेष के लिए एक से अधिक आवेदक होने की दशा में Y श्रेणी में अधिक सेवा गुणांक प्राप्त करने वाले शिक्षक को प्राथमिकता दी जायेगी, परन्तु समान गुणांक होने की दशा में अधिक आयु प्राप्त शिक्षक को प्राथमिकता दी जायेगी।</p> <p>परन्तु यह और कि विकलांग शिक्षकों, गम्भीर रोग ग्रस्त शिक्षकों, विधवा/परित्यक्ता शिक्षिका, शिक्षक के मानसिक रूप से विक्षिप्त पति/पत्नी अथवा विक्षिप्त बच्चों के माता/पिता शिक्षक एवं अन्य शिक्षक जिनकी आयु 55 वर्ष हो चुकी हो, को Y क्षेत्र के विद्यालयों में तैनाती की बाध्यता नहीं होगी, बशर्ते कि X क्षेत्र के विद्यालयों में पद रिक्त हो। लेकिन यदि उपरोक्त स्वेच्छा से Y क्षेत्र के विद्यालयों</p>	<p>(1) शिक्षकों की पदोन्नति पर पदस्थापना केवल Y क्षेत्र के D, E, F श्रेणी के विद्यालयों में ही की जायेगी। परन्तु शिक्षिकाओं को पदोन्नति पर यथा सम्भव D श्रेणी के विद्यालयों में पदस्थापित किया जा सकेगा।</p> <p>परन्तु यह कि ऐसे शिक्षक जिनके द्वारा वर्तमान अथवा पूर्व में Y क्षेत्र के विद्यालयों में की गई सेवा का कुल सेवा गुणांक परिशिष्ट 'क' के क्रमांक-1 के अनुसार 15 अथवा जैसा कि समय-समय पर शासन द्वारा निर्धारित किया जाए प्राप्त कर लिए हों, को Y क्षेत्र के विद्यालयों में पदोन्नत करने की बाध्यता नहीं होगी, बशर्ते कि X क्षेत्र के विद्यालयों में पद रिक्त हो।</p> <p>परन्तु यह कि किसी स्थान विशेष के लिए एक से अधिक आवेदक होने की दशा में Y श्रेणी में अधिक सेवा गुणांक प्राप्त करने वाले शिक्षक को प्राथमिकता दी जायेगी, परन्तु समान गुणांक होने की दशा में अधिक आयु प्राप्त शिक्षक को प्राथमिकता दी जायेगी।</p> <p>परन्तु यह और कि विकलांग शिक्षकों, गम्भीर रोग ग्रस्त शिक्षकों, विधवा/परित्यक्ता/विधुर/भारतीय सेना में कार्यरत सैनिक की पत्नी/जीवित स्वतंत्रता संग्राम सेनानी की पुत्री जिन पर वे पूर्णतया आश्रित हों /शिक्षक के मानसिक रूप से विक्षिप्त पति/पत्नी अथवा विक्षिप्त बच्चों के माता/पिता शिक्षक एवं अन्य शिक्षक जिनकी आयु 55 वर्ष हो चुकी हो, को Y क्षेत्र के विद्यालयों में तैनाती की बाध्यता नहीं होगी, बशर्ते कि X क्षेत्र के विद्यालयों में पद रिक्त हो। लेकिन यदि उपरोक्त स्वेच्छा से Y क्षेत्र के विद्यालयों में जाने का विकल्प देते हैं तो पद रिक्ति की दशा में Y क्षेत्र आवंटित किया जा सकेगा। विकलांग तथा गम्भीर रोग की परिभाषा जैसा नियम-22 में वर्णित किया गया है, के अनुसार होगी।</p> <p>परन्तु यह और कि ऐसे शिक्षक, जिनके पति/पत्नी अथवा अविवाहित बच्चे कैंसर, एड्स/ एचआईवी (पीजिटिव), हृदय बाइपास सर्जरी, हृदय बाल्य सर्जरी, दोनों किडनी फेल (डायलिसिस पर निर्भर) अथवा ब्रेन ट्यूमर से</p>

Signature

	<p>में जाने का विकल्प देते हैं तो पद रिक्ति की दशा में Y क्षेत्र आवंटित किया जा सकेगा। विकलांग तथा गम्भीर रोग की परिभाषा जैसा नियम-22 में वर्णित किया गया है, के अनुसार होगी।</p>	<p>प्रसिद्ध हों, को नियम-22 में उल्लिखित प्राविधानों के अधीन एवं ऐसे शिक्षक जिनके पति/पत्नी, अविवाहित बच्चे 60 प्रतिशत या उससे अधिक विकलांग हों, को भी नियम-22 की शर्तों के अधीन Y क्षेत्र के विद्यालयों में पदस्थापना की बाध्यता नहीं होगी।</p> <p>परन्तु यह और कि किसी विषय विशेष या पद में Y क्षेत्र में स्थित विद्यालय में संबंधित विषय का पद रिक्त न होने की दशा में संबंधित विषय/पद में Y क्षेत्र में सर्वाधिक ठहराव के शिक्षक, जो अनिवार्य स्थानान्तरण की न्यूनतम अर्हता पूर्ण करते हों, में से अवरोही क्रम में शिक्षक को उनकी स्वेच्छा से X क्षेत्र में स्थानान्तरित कर रिक्त होने वाले पद पर पदोन्नति की जायेगी, परन्तु स्थानान्तरण/समायोजन की निर्धारित समय सारिणी से इत्तर होने पर स्थानान्तरण समिति, नियम-26 में अपीलीय व्यवस्था हेतु अधिकृत अपीलीय अधिकारी से अनुमति प्राप्त कर सकेगी। इसके उपरान्त भी पद रिक्त न होने पर X क्षेत्र में स्थित विद्यालय में पदोन्नति पर पदस्थापना की जा सकेगी।</p> <p>नोट— ऐसे शिक्षक जो विधुर होने का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करेंगे, उन्हें यह अनुबन्ध पत्र देना होगा कि उनके द्वारा दूसरा विवाह नहीं किया गया है तथा उनके आश्रित बच्चों की उम्र 18 वर्ष से कम है (स्थानान्तरण वर्ष के 31 मार्च के अनुसार)। परन्तु स्थानान्तरण के समय इस श्रेणी के ऐसे शिक्षक, जिनके बच्चे अपेक्षाकृत छोटे हों, को पहले प्राथमिकता दी जायेगी।</p>
<p>नियम-10(1)(अ) (ख) (तीन) (छूट का प्राविधान) का संशोधन</p>	<p>10. नियम-22 में उल्लिखित सीमा के अधीन गम्भीर रूप से बीमार/विकलांग शिक्षक, विधवा, परित्यक्ता, शिक्षक के मानसिक रूप से विक्षिप्त पति/पत्नी अथवा विक्षिप्त बच्चों के शिक्षक माता/पिता।</p>	<p>नियम-22 में उल्लिखित सीमा के अधीन गम्भीर रूप से बीमार/ विकलांग शिक्षक, विधवा, परित्यक्ता, विधुर(जैसा कि नियम-9(1) नोट में वर्णित है)/ भारतीय सेना में कार्यरत सैनिक की पत्नी/जीवित स्वतंत्रता संग्राम सेनानी की पुत्री जिन पर वे पूर्णतया आश्रित हों /शिक्षक के मानसिक रूप से विक्षिप्त पति/पत्नी अथवा विक्षिप्त बच्चों के शिक्षक माता/ पिता।</p> <p>परन्तु यह कि ऐसे शिक्षक, जिनके पति/पत्नी अथवा अविवाहित बच्चे कैंसर, एड्स/ एचआईवी (पॉजिटिव), हृदय बाइपास सर्जरी, हृदय बाल्व सर्जरी, दोनों किडनी फेल (डायलिसिस पर निर्भर) अथवा ब्रेन ट्यूमर से ग्रसित हों, को नियम-22 में उल्लिखित प्राविधानों के अधीन एवं ऐसे शिक्षक जिनके पति/पत्नी, अविवाहित बच्चे 60 प्रतिशत या उससे अधिक विकलांग हों, को राज्य चिकित्सा परिषद द्वारा प्रदत्त प्रमाण पत्र के आधार पर अनिवार्य</p>

Signature

		स्थानान्तरण से छूट अनुमत्य होगी।
नियम-10(2)(ख) का संशोधन	11. उत्तराखण्ड सरकार की सेवा में कार्यरत कार्मिक के शिक्षक पति अथवा पत्नी Y क्षेत्र के विद्यालयों में एक ही स्थान पर तैनाती के इच्छुक हों तो वे केवल Y क्षेत्र में ही एक स्थान पर तैनाती हेतु अनुरोध करने के पात्र होंगे;	राज्य में उत्तराखण्ड के विद्यालयी शिक्षा विभाग के राजकीय शिक्षक/शिक्षणेत्तर कार्मिक की सेवा में कार्यरत शिक्षक पति अथवा पत्नी, जो X/Y क्षेत्र में कार्यरत है, वे पति/पत्नी के कार्यस्थल के निकट केवल Y क्षेत्र के विद्यालयों में अनुरोध के आधार पर स्थानान्तरण हेतु पात्र होंगे।
नियम-10(2)(ग) का संशोधन	12. शिक्षक स्वयं अपनी गम्भीर बीमारी/ विकलांगता नियम 22 में उल्लिखित शर्तों के अधीन स्थानान्तरण हेतु आवेदन करने के लिए पात्र होंगे;	शिक्षक स्वयं अपनी गम्भीर बीमारी/ विकलांगता नियम 22 में उल्लिखित शर्तों के अधीन स्थानान्तरण हेतु आवेदन करने के लिए पात्र होंगे। परन्तु यह कि ऐसे शिक्षक, जिनके पति/ पत्नी अथवा अविवाहित बच्चे कैंसर, एड्स (एचआईवी0 पॉजिटिव), हृदय बाइपास सर्जरी, हृदय बाल्व सर्जरी, दोनों किडनी फेल (डायलिसिस पर निर्भर) अथवा ब्रेन ट्यूमर से ग्रसित हों, को नियम-22 में उल्लिखित प्राविधानों के अधीन एवं ऐसे शिक्षक जिनके पति/पत्नी, अविवाहित बच्चे 80 प्रतिशत या उससे अधिक विकलांग हों, को भी नियम-22 में उल्लिखित शर्तों के अधीन अनुरोध के आधार पर आवेदन करने के पात्र होंगे।
नियम-10(2)घ के अन्त में टिप्पणी का अन्तस्थापन— (अनुरोध के आधार)	13. टिप्पणी— 70 प्रतिशत या उससे अधिक विकलांग बच्चे के शिक्षक माता या पिता मेडिकल बोर्ड द्वारा प्रदत्त बच्चे की 70 प्रतिशत या उससे अधिक विकलांगता का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर अनुरोध के आधार पर स्थानान्तरण करने हेतु पात्र होंगे।	टिप्पणी— 60 प्रतिशत या उससे अधिक शारीरिक रूप से विकलांग अविवाहित बच्चे के शिक्षक माता या पिता, बच्चे की 60 प्रतिशत या उससे अधिक विकलांगता का राज्य चिकित्सा परिषद द्वारा प्रदत्त प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर अनुरोध के आधार पर स्थानान्तरण करने हेतु पात्र होंगे।
नियम-10(2)(ङ) का संशोधन	14. विधवा, तलाकशुदा, परित्यक्ता शिक्षिका प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर स्थानान्तरण हेतु अनुरोध करने के पात्र होंगे।	विधवा, विधुर(जैसा कि नियम-9(1) नोट में वर्णित है)/ भारतीय सेना में कार्यरत सैनिक की पत्नी/जीवित स्वतंत्रता संग्राम सेनानी की पुत्री जिन पर वे पूर्णतया आश्रित हों /तलाकशुदा, परित्यक्ता शिक्षिका सक्षम स्तर का प्रमाण पत्र एवं उक्त आशय का शपथ पत्र प्रस्तुत करने पर स्थानान्तरण हेतु अनुरोध करने के पात्र होंगे।
नियम-10(2)(झ) का संशोधन	15. Y क्षेत्र के विद्यालय में कार्यरत शिक्षक D श्रेणी के विद्यालय से E श्रेणी अथवा F श्रेणी विद्यालय में एवं E श्रेणी विद्यालय से केवल F श्रेणी विद्यालय में एक वर्ष की सेवा के उपरान्त स्थानान्तरण हेतु आवेदन कर सकेंगे।	Y क्षेत्र के विद्यालय में कार्यरत शिक्षक, जिसने Y क्षेत्र में पाँच वर्ष की सेवा पूर्ण कर ली हो (स्थानान्तरण वर्ष की 31 मार्च के अनुसार), वे मात्र Y क्षेत्र के E अथवा F श्रेणी के विद्यालयों में अनुरोध के आधार पर स्थानान्तरण हेतु आवेदन कर सकेंगे।

[Signature]

<p>नियम-10(2)(अ) के अन्त में टिप्पणी (अनुरोध के आधार पर स्थानान्तरण) का संशोधन</p>	<p>16. टिप्पणी:- (एक) उक्त (क) से (छ) तक के लिए अनुरोध के आधार पर स्थानान्तरण हेतु X/Y क्षेत्र में न्यूनतम सेवा की कोई शर्त नहीं होगी। (दो) किसी स्थान विशेष के लिए एक से अधिक आवेदक होने की दशा में Y श्रेणी में अधिक सेवा गुणांक प्राप्त करने वाले शिक्षक को प्राथमिकता दी जायेगी परन्तु समान गुणांक होने की दशा में अधिक आयु प्राप्त शिक्षक को प्राथमिकता दी जायेगी।</p>	<p>टिप्पणी :- (एक) उक्त (क) से (छ) तक के लिए अनुरोध के आधार पर अपने संवर्ग में स्थानान्तरण हेतु X/Y क्षेत्र में न्यूनतम सेवा की कोई शर्त नहीं होगी। (दो) किसी स्थान विशेष के लिए एक से अधिक आवेदक होने की दशा में Y श्रेणी में अधिक सेवा गुणांक प्राप्त करने वाले शिक्षक को प्राथमिकता दी जायेगी परन्तु समान गुणांक होने की दशा में अधिक आयु प्राप्त शिक्षक को प्राथमिकता दी जायेगी। (तीन) अनुरोध के आधार पर एवं अनिवार्य स्थानान्तरण के आधार पर स्थानान्तरण की स्थिति में शिक्षक कार्यरत विद्यालय से स्थानान्तरित होने पर तभी कार्यमुक्त होंगे जबकि:- 1-प्राथमिक विद्यालय की स्थिति में विद्यालय शिक्षक विहीन न हो रहा हो। 2-उच्च प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों की स्थिति में विद्यालय में 50 प्रतिशत से अधिक शिक्षकों की कमी न हो। (चार) अनुरोध के आधार पर स्थानान्तरण किसी संवर्ग विशेष में किए गये कुल अनिवार्य स्थानान्तरणों की संख्या के 50 प्रतिशत की सीमा तक किये जा सकेंगे।</p>
<p>17. नियम-10 के अन्त में टिप्पणी अर्थात् 10(4) के उपरान्त टिप्पणी का अन्तस्थापन</p>	<p>-</p>	<p>अनिवार्य तथा अनुरोध के आधार पर स्थानान्तरित शिक्षक यदि प्राथमिक विद्यालय की स्थिति में विद्यालय अध्यापक विहित हो रहा हो अथवा माध्यमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय की दशा में विद्यालय में 50 प्रतिशत से अधिक शिक्षकों की कमी हो रही हो, तो ऐसी दशा में शिक्षक विद्यालय से तभी कार्यमुक्त होंगे जब विद्यालय में प्रतिस्थानी की तैनाती हो जाय। परन्तु यदि नियमित शिक्षक की प्रतिस्थानी के रूप में तैनाती न हो पा रही हो, तो स्थानान्तरित शिक्षक को कार्यमुक्त करने से पूर्व सम्बन्धित जनपद के जिलाधिकारी के अनुमोदन के उपरान्त सम्बन्धित विद्यालय में किसी शिक्षक की व्यवस्था पर तैनाती की जायेगी।</p>
<p>18. नियम-11(3)(क) (वार्षिक स्थानान्तरण की प्रक्रिया) का संशोधन</p>	<p>सर्वप्रथम उत्तराखण्ड सरकार की सेवा में कार्यरत कर्मिक के शिक्षक पति अथवा पत्नी यदि Y क्षेत्र में एक ही स्थान पर तैनाती हेतु आवेदन करते हैं, तो उन्हें रिक्ति की दशा में ऐसा स्थान स्थानान्तरण हेतु आवंटित किया जायेगा;</p>	<p>राज्य में उत्तराखण्ड के विद्यालयी शिक्षा विभाग में कार्यरत राजकीय शिक्षक/शिक्षणेत्तर कर्मों के पति अथवा पत्नी, जो X/Y क्षेत्र में कार्यरत हैं, वे पति/पत्नी के कार्यस्थल के निकट केवल Y क्षेत्र के विद्यालयों में अपने ही संवर्ग में अनुरोध के आधार पर स्थानान्तरण हेतु पात्र होंगे;</p>
<p>19. नियम-11(3)(ग) (वार्षिक स्थानान्तरण की प्रक्रिया)</p>	<p>तत्पश्चात् गम्भीर रूप से बीमार शिक्षकों द्वारा अनुरोध के आधार पर स्थानान्तरण हेतु आवेदन पर उनके द्वारा ऐच्छिक स्थान</p>	<p>तत्पश्चात् गम्भीर रूप से बीमार शिक्षकों द्वारा अनुरोध के आधार पर स्थानान्तरण हेतु आवेदन पर उनके द्वारा ऐच्छिक स्थान रिक्ति उपलब्ध होने की दशा में स्थानान्तरण हेतु आवंटित किया</p>

[Handwritten Signature]

का संशोधन	रिक्ति उपलब्ध होने की दशा में स्थानान्तरण हेतु आवंटित किया जायेगा;	जायेगा; परन्तु यह कि ऐसे शिक्षक, जिनके पति/पत्नी अथवा अविवाहित बच्चे कैंसर, एड्स/ एचआईवी (पॉजिटिव), हृदय की बाइपास सर्जरी, हृदय बाल्य सर्जरी दोनों किडनी फेल (डायलिसिस पर निर्भर) अथवा ब्रेन ट्यूमर से ग्रसित हों, को नियम-22 में उल्लिखित प्राविधानों के अधीन एवं ऐसे शिक्षक जिनके पति/पत्नी, अविवाहित बच्चे 80 प्रतिशत या उससे अधिक विकलांग हों, को पद रिक्त होने की दशा में अनुरोध के आधार पर स्थान आवंटित किया जायेगा;
20. नियम-11(3)(ब) (वार्षिक स्थानान्तरण की प्रक्रिया) का संशोधन	तत्पश्चात् स्थानान्तरण हेतु आवेदन करने वाले शिक्षकों में विधवा तलाकशुदा, परित्यक्ता शिक्षिका को दिये गये विकल्प के अनुसार स्थान, रिक्ति उपलब्ध होने की दशा में स्थानान्तरण हेतु आवंटित किया जायेगा। विधवा शिक्षिका की स्थिति में एक स्थान के लिए एक से अधिक आवेदन पत्र प्राप्त होने की दशा में कम आयु की विधवा शिक्षिका को प्राथमिकता दी जायेगी।	तत्पश्चात् स्थानान्तरण हेतु आवेदन करने वाले शिक्षकों में विधवा, परित्यक्ता, विधुर(जैसा कि नियम-9(1) नोट में वर्णित है)/ भारतीय सेना में कार्यरत सैनिक की पत्नी/जीवित स्वतंत्रता संग्राम सेनानी की पुत्री जिन पर वे पूर्णतया आश्रित हों /तलाकशुदा परित्यक्ता शिक्षिका को दिये गये विकल्प के अनुसार स्थान, रिक्ति उपलब्ध होने की दशा में स्थानान्तरण हेतु आवंटित किया जायेगा। विधवा शिक्षिका की स्थिति में एक स्थान के लिए एक से अधिक आवेदन पत्र प्राप्त होने की दशा में कम आयु की विधवा शिक्षिका को प्राथमिकता दी जायेगी।
21. नियम-20 का संशोधन	पति और पत्नी दोनों ही उत्तराखण्ड सरकार की सेवा में हों, और Y क्षेत्र के विद्यालयों हेतु नियमावली में उल्लिखित सेवा गुणांक पूर्ण करते हों तो उन्हें यथासम्भव एक ही स्थान पर रखा जायेगा।	राज्य में उत्तराखण्ड के विद्यालयी शिक्षा विभाग में कार्यरत राजकीय शिक्षक/शिक्षणोत्तर कर्मी के शिक्षक पति अथवा पत्नी, जो X/Y क्षेत्र में कार्यरत हैं, वे पति/पत्नी के कार्यस्थल के निकट केवल Y क्षेत्र के विद्यालयों में अपने संवर्ग में अनुरोध के आधार पर स्थानान्तरण हेतु पात्र होंगे।
22. नियम-22(1) का संशोधन	गम्भीर रोग के अन्तर्गत कैंसर, ब्लड कैंसर, एड्स/ एचआईवी (पॉजिटिव), हृदय की बाइपास सर्जरी, हृदय वॉल्व सर्जरी, दोनों किडनी फेल हो जाने से डायलिसिस पर निर्भर, ट्यूबरकुलोसिस (दोनों फेफड़े खराब हो जायें) सीर्स (थर्ड स्टेज), एक्यूट आर्थराइटिस, ब्रेनट्यूमर के गम्भीर रोग के अन्तर्गत अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (A.I.I.M.S.), पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस (P.G.I.), अन्य अखिल भारतीय मेडिकल संस्थान अथवा राज्य में स्थित समकक्ष चिकित्सा संस्थान	गम्भीर रोग के अन्तर्गत कैंसर, ब्लड कैंसर, एड्स/ एचआईवी (पॉजिटिव), हृदय की बाइपास सर्जरी, हृदय वॉल्व सर्जरी, हृदय एन्जियो प्लास्टी, हृदय पेस मेकर, एक किडनी फेल होने पर, दोनों किडनी फेल हो जाने से डायलिसिस पर निर्भर, ट्यूबरकुलोसिस (दोनों फेफड़े खराब हो जायें) सीर्स (थर्ड स्टेज), कॉनिक आर्थराइटिस विद डिफॉर्मिटी विद डिसएबिलिटी एवं ब्रेनट्यूमर के गम्भीर रोग हों, को राज्य चिकित्सा परिषद द्वारा विगत एक वर्ष के अन्दर प्रदत्त प्रमाण पत्र तथा शिक्षण कार्य हेतु चिकित्सीय रूप में स्वस्थ होने का प्रमाण पत्र भी प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। परन्तु यह कि ऐसे शिक्षक, जिनके पति/ पत्नी अथवा अविवाहित बच्चे कैंसर, एड्स/ एचआईवी (पॉजिटिव), हृदय की बाइपास सर्जरी, हृदय बाल्य सर्जरी, दोनों किडनी फेल

Signature

	<p>मे उपचाराधीन हो। शिक्षक को संबंधित संस्थान से उक्त रोग का चिकित्सा प्रमाण पत्र देना होगा तथा इस आशय का प्रमाण पत्र भी प्रस्तुत करना होगा कि संबंधित शिक्षक अध्यापन करने में सक्षम है। उक्त के अतिरिक्त शिक्षक के उपरोक्त बीमारियों से रोग ग्रस्त होने तथा अन्यत्र चिकित्साधीन होने की दशा में शिक्षक द्वारा फॉरेस्ट ट्रस्ट मेडिकल कालेज हॉस्पिटल हल्द्वानी, राजकीय मेडिकल कालेज श्रीनगर अथवा हिमालय इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंस जौलीग्रान्ट देहरादून के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक अथवा चिकित्सा परिषद द्वारा प्रदत्त संबंधित रोग का और उसी अधिकारी द्वारा प्रदत्त शिक्षण कार्य हेतु चिकित्सीय रूप में स्वस्थ होने का प्रमाण पत्र भी प्रस्तुत करना होगा।</p>	<p>(डायलिसिस पर निर्भर) अथवा ब्रेन ट्यूमर के गम्भीर रोग अथवा मानसिक रूप से विकसित/ विकलांग के अन्तर्गत एवं ऐसे शिक्षक जिनके पति/पत्नी, अविवाहित बच्चे 60 प्रतिशत या उससे अधिक विकलांग हों, को 01 वर्ष पूर्व तक का राज्य चिकित्सा परिषद द्वारा प्रदत्त संबंधित रोग का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।</p> <p>परन्तु नियमावली में उल्लिखित उक्त बीमारियों/प्रमाण पत्रों पर संशय होने की दशा में 01 वर्ष के अन्दर पुनः परीक्षण किया जा सकेगा।</p> <p>परन्तु और कि स्थानान्तरण के उपरान्त पदोन्नति पर पदस्थापना के दौरान उक्तवत् बीमारी/विकलांगता का 01 वर्ष पूर्व तक की अवधि का राज्य चिकित्सा परिषद द्वारा प्रदत्त प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।</p>
नियम-22(2) का संशोधन	<p>23. विकलांगता के अन्तर्गत 50 प्रतिशत या उससे अधिक विकलांग शिक्षक, विकलांगता प्रमाण पत्र मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा प्रदत्त हो। साथ ही मेडिकल बोर्ड द्वारा प्रदत्त शिक्षण कार्य हेतु चिकित्सीय रूप से स्वस्थ होने का प्रमाण पत्र भी प्रस्तुत करना होगा।</p>	<p>विकलांगता के अन्तर्गत 50 प्रतिशत या उससे अधिक विकलांग शिक्षक, विकलांगता प्रमाण पत्र राज्य चिकित्सा परिषद द्वारा प्रदत्त हो। साथ ही मेडिकल बोर्ड द्वारा प्रदत्त शिक्षण कार्य हेतु चिकित्सीय रूप से स्वस्थ होने का प्रमाण पत्र भी प्रस्तुत करना होगा।</p>
नियम-29(1) (2) का संशोधन	<p>24. (1) इस नियमावली के किसी नियम के प्रवर्तन से किसी विशिष्ट प्रकरण में उत्पन्न होने वाली कठिनाईयों के निराकरण हेतु प्रमुख सचिव/सचिव विद्यालयी शिक्षा की अध्यक्षता में एक समिति गठित की जायेगी, जिसमें :- (क) महानिदेशक, विद्यालयी शिक्षा (ख) निदेशक, (प्रारम्भिक शिक्षा) (ग) निदेशक (माध्यमिक शिक्षा) (घ) निदेशक (अकादमिक, शोध एवं प्रशिक्षण)</p>	<p>इस नियमावली के किसी नियम के प्रवर्तन से किसी विशिष्ट प्रकरण में उत्पन्न होने वाली कठिनाईयों के निराकरण एवं ऐसे विशेष आकस्मिक/अप्रत्याशित स्थानान्तरण प्रकरण, जो इस नियमावली से आच्छादित नहीं होते हैं, हेतु प्रमुख सचिव/सचिव विद्यालयी शिक्षा की अध्यक्षता में एक समिति गठित की जायेगी, जिसमें निम्नलिखित सदस्य होंगे:- (क) महानिदेशक, विद्यालयी शिक्षा (ख) कार्मिक विभाग का प्रतिनिधि (जो अपर सचिव स्तर से अन्यून हो) (ग) महानिदेशक, चिकित्सा (घ) निदेशक, (प्रारम्भिक शिक्षा)</p>

Handwritten signature

परिशिष्ट 'क'


सम्पूर्ण सेवाकाल के आधार पर X क्षेत्र (A, B, C श्रेणी के कार्यस्थल एवं Y क्षेत्र (D, E, F श्रेणी के कार्यस्थल) में शिक्षक द्वारा की गई सेवा गुणांक

वर्तमान परिशिष्ट 'क'	एतद्वारा प्रतिस्थापित परिशिष्ट 'क'
<p>1. X क्षेत्र में (A, B, C श्रेणी के विद्यालयों में की गई कार्य अवधि) की गई सेवा की गणना निम्नानुसार की जायेगी:-</p> <p>C श्रेणी के विद्यालयों में की गई सम्पूर्ण सेवा (दिवसों में) + B श्रेणी में की गयी सेवा (दिवसों में) \times 1.5 (डेढ़ गुना) + A श्रेणी में की गयी सेवा (दिवसों में) \times 2 (दो गुना) = योग \div 365 = X क्षेत्र के विद्यालय में की गई सेवा का कुल सेवा गुणांक ।</p>	<p>1. Y क्षेत्र में (D, E, F श्रेणी के विद्यालयों में की गई कार्य अवधि में लिये गये अवैतनिक अवकाश को घटा कर) की गई सेवा की गणना निम्नानुसार की जायेगी:-</p> <p>D क्षेत्र में की गयी सम्पूर्ण सेवा (दिवसों में) + E श्रेणी में की गयी सेवा (दिवसों में) \times 1.5 (डेढ़ गुना) + F श्रेणी में की गयी सेवा (दिवसों में) \times 2 (दो गुना) = योग \div 365 = Y क्षेत्र के विद्यालय में की गई सेवा का कुल सेवा गुणांक ।</p>
<p>2. अनिवार्य स्थानान्तरण हेतु पात्रता सेवा गुणांक का निर्धारण:-</p> <p>अनिवार्य स्थानान्तरण हेतु पात्रता सेवा गुणांक = वर्तमान में X क्षेत्र में कार्यरत शिक्षक के X क्षेत्र का सेवा गुणांक - Y क्षेत्र में की गयी सेवा का सेवा गुणांक ।</p>	<p>2. अनिवार्य स्थानान्तरण हेतु पात्रता सेवा गुणांक का निर्धारण:-</p> <p>अनिवार्य स्थानान्तरण हेतु पात्रता सेवा गुणांक = वर्तमान में Y क्षेत्र में कार्यरत शिक्षक के Y क्षेत्र का सेवा गुणांक - X क्षेत्र में की गयी सेवा का सेवा गुणांक ।</p>
<p>1. X क्षेत्र में (A, B, C श्रेणी के विद्यालयों में की गई कार्य अवधि) की गई सेवा की गणना निम्नानुसार की जायेगी:-</p> <p>X क्षेत्र में (A, B, C श्रेणी के विद्यालयों में की गई कार्य अवधि) की गई सेवा का कुल सेवा गुणांक = [C श्रेणी में की गयी सम्पूर्ण सेवा (दिवसों में) + B श्रेणी में की गयी सेवा (दिवसों में) \times 1.5 (डेढ़ गुना) + A श्रेणी में की गयी सेवा (दिवसों में) \times 2 (दो गुना)] \div 365</p>	<p>1. Y क्षेत्र में (D, E, F श्रेणी के विद्यालयों में की गई कार्य अवधि में लिये गये अवैतनिक अवकाश को घटा कर) की गई सेवा की गणना निम्नानुसार की जायेगी:-</p> <p>Y क्षेत्र में (D, E, F श्रेणी के विद्यालयों में की गई कार्य अवधि) की गई सेवा का कुल सेवा गुणांक = [F श्रेणी में की गयी सम्पूर्ण सेवा (दिवसों में) + E श्रेणी में की गयी सेवा (दिवसों में) \times 1.5 (डेढ़ गुना) + D श्रेणी में की गयी सेवा (दिवसों में) \times 2 (दो गुना)] \div 365</p>
<p>2. X- क्षेत्र से अनिवार्य स्थानान्तरण हेतु पात्रता सेवा गुणांक का निर्धारण :-</p> <p>अनिवार्य स्थानान्तरण हेतु पात्रता सेवा गुणांक = वर्तमान में X क्षेत्र में कार्यरत शिक्षक के X क्षेत्र का सेवा गुणांक - Y क्षेत्र में की गयी सेवा का सेवा गुणांक - नियमित उपस्थिति के आधार अर्जित सेवा गुणांक [परिशिष्ट-क(1) के अनुसार] - शैक्षिक</p>	<p>2. Y- क्षेत्र से अनिवार्य स्थानान्तरण हेतु पात्रता सेवा गुणांक का निर्धारण:-</p> <p>अनिवार्य स्थानान्तरण हेतु पात्रता सेवा गुणांक = वर्तमान में Y क्षेत्र में कार्यरत शिक्षक के Y क्षेत्र का सेवा गुणांक + नियमित उपस्थिति के आधार पर अर्जित सेवा गुणांक [परिशिष्ट-क(1) के अनुसार] + शैक्षिक सम्प्राप्ति स्तर में सुधार के आधार पर अर्जित सेवा गुणांक [परिशिष्ट-क(2) के</p>

प्रो. 1

	<p>(इ) कार्मिक विभाग का प्रतिनिधि (अपर सचिव से अन्यून) प्रमुख सचिव कार्मिक द्वारा नामित सदस्य होंगे।</p> <p>(2) यह समिति इस नियमावली के क्रियान्वयन में आने वाली किसी कठिनाई अथवा ऐसे अप्रत्याशित विषय, जो नियमावली में सम्मिलित नहीं हैं, के सम्बन्ध में भी विचार करके अपनी संस्तुति राज्य सरकार के अनुमोदनार्थ प्रस्तुत करेगी।</p>	<p>(इ) निदेशक (माध्यमिक शिक्षा)</p> <p>(घ) निदेशक (अकादमिक, शोध एवं प्रशिक्षण)</p> <p>(2) यह समिति इस नियमावली के क्रियान्वयन में आने वाली किसी कठिनाई अथवा ऐसा अप्रत्याशित विषय, जो नियमावली में सम्मिलित नहीं हैं, के सम्बन्ध में भी विचार करके अपनी संस्तुति राज्य सरकार के अनुमोदनार्थ प्रस्तुत करेगी।</p> <p>परन्तु किसी संवर्ग विशेष में किए गये कुल स्थानान्तरण के 03 प्रतिशत की सीमा तक ही समिति स्थानान्तरण की संस्तुति करेगी।</p>
--	--	---




 (डॉ०एम०सी०जोशी)
 सचिव

परिशिष्ट-क के बाद परिशिष्ट क (1) का अन्तस्थापन
परिशिष्ट "क" (1)

विगत तीन शैक्षिक सत्रों में शिक्षक की नियमित उपस्थिति के आधार पर अर्जित सेवा गुणांक

शैक्षिक सत्र	शैक्षिक सत्र में औसत उपस्थिति का प्रतिशत	प्राप्त सेवा गुणांक	
		1. 90 % या उससे अधिक पर =	1
		2. 85 % से अधिक किन्तु 90 % से कम =	.75
		3. 80 % से अधिक किन्तु 85 से कम =	.5
		4. 80 % से कम =	0
तीनों शैक्षिक सत्रों का योग :-			

शैक्षिक सत्र में औसत उपस्थिति का प्रतिशत	=	सत्र में कुल उपस्थिति + सत्र में शासकीय कार्यदिवस	X 100
		शैक्षिक सत्र में कुल कार्य दिवस	

परिशिष्ट-क(1) के बाद परिशिष्ट क (2) का अन्तस्थापन

परिशिष्ट क (2)

विगत तीन शैक्षिक सत्र में शैक्षिक सुधार के आधार पर प्राप्त सेवा गुणांक

(निम्नवत् A,B,C में से जो लागू हो)

A परिषदीय परीक्षा परिणाम के आधार पर

शैक्षिक सत्र	स्व विषय में कुल उत्तीर्ण छात्रों का प्रतिशत	परिषद के औसत परीक्षाफल से अधिक होने पर प्रतिवर्ष हेतु = .3 गुणांक	परिषदीय परीक्षा में 60 से 74 अंक/% अर्जित करने वाले छात्रों का प्रतिशत x .008	परिषदीय परीक्षा में 75 या उससे अधिक अंक अर्जित करने वाले छात्रों का प्रतिशत x .012	शैक्षिक सत्र में प्राप्त कुल गुणांक (3+4+5)
1	2	3	4	5	6
तीनों शैक्षिक सत्रों का कुल योग =					

B गृह परीक्षा में शिक्षक के स्वविषय में परिणाम के आधार पर

माध्यमिक शिक्षकों (जो परिषदीय परीक्षाओं में अभ्यापन न कर रहे हों) एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों हेतु

शैक्षिक सत्र	विषय	गृह परीक्षा में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक अर्जित करने वाले छात्र-छात्राओं का % x .015	गृह परीक्षा में 60 से 74 प्रतिशत अंक अर्जित करने वाले छात्र-छात्राओं का % x .01	गृह परीक्षा में 50-59 प्रतिशत अंक अर्जित करने वाले छात्र-छात्राओं का % x .005	शैक्षिक सत्र में कुल गुणांक (3+4+5)
1	2	3	4	5	6
तीनों शैक्षिक सत्रों का कुल योग =					

हस्ताक्षर

✓

		सम्प्राप्ति स्तर में सुधार के आधार पर अर्जित सेवा गुणांक (परिशिष्ट-क(2) के अनुसार)	अनुसार} - X क्षेत्र में की गयी सेवा का सेवा गुणांक
3. X क्षेत्र से Y क्षेत्र में अनिवार्य स्थानान्तरण हेतु न्यूनतम पात्रता सेवा गुणांक: 12 अथवा नियमावली के नियम 10 के उपनियम (1) के खण्ड (अ) के उपखण्ड (क) में दी गई व्यवस्था के अनुसार निर्धारित गुणांक।	3. Y क्षेत्र से X क्षेत्र में अनिवार्य स्थानान्तरण हेतु न्यूनतम पात्रता सेवा गुणांक : 12 अथवा नियमावली के नियम 10 के उपनियम (1) के खण्ड (आ) में दी गई व्यवस्था के अनुसार निर्धारित गुणांक।	3. X क्षेत्र से Y क्षेत्र में अनिवार्य स्थानान्तरण हेतु न्यूनतम पात्रता सेवा गुणांक : 12 अथवा नियमावली के नियम 10(1)(अ)(क) में दी गई व्यवस्था के अनुसार निर्धारित गुणांक।	3. Y क्षेत्र से X क्षेत्र में अनिवार्य स्थानान्तरण हेतु न्यूनतम पात्रता सेवा गुणांक: 12 अथवा नियमावली के नियम 10(1)(आ) में दी गई व्यवस्था के अनुसार निर्धारित गुणांक।

Signature

आज्ञा से,
Signature
 (डॉ०एम०सी०जोशी)
 सचिव।

B-गृहपरीक्षा

ऐसे माध्यमिक शिक्षक, जो बोर्ड परीक्षा वाले छात्रों को नहीं पढ़ाते हैं वे स्वविषय में गृह परीक्षा का विवरण भरेंगे, राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षक भी निम्नवत् प्रारूप पर अंकना करेंगे।

शैक्षिक सत्र	स्तर उच्च प्राथमिक/ हाईस्कूल/इण्टर	विषय	सम्मिलित छात्र	50 से 59 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले छात्र	60 से 74 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले छात्र	75 प्रतिशत या अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र
1	2	3	4	5	6	7

C-प्राथमिक स्तर हेतु

शैक्षिक सत्र	छात्र संख्या जिनके अध्यापन के पश्चात् शिक्षक द्वारा LLA/ CCE किया गया	ग्रेड A अर्थात् 85 % अधिक सम्प्राप्ति वाले छात्रों की संख्या	75 % से 85 % तक छात्र नामांकन में सुधार	80 % से 75 % वर्षवार नामांकन में वृद्धि
1	2	3	4	5

ह0शिक्षक

ह0 प्रधानाचार्य/प्र0अध्यापक

प्रतिहस्ताक्षरित खण्ड शिक्षा अधिकारी

मानक: 11 रेलवे स्टेशन से कार्यस्थल की दूरी

अधिकतम गुणांक : 9

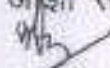
(B- श्रेणी के रेलवे स्टेशन : देहरादून, ऋषिकेश, हरिद्वार, हल्द्वानी, रुद्रपुर, रुडकी, काशीपुर,
C- श्रेणी के रेलवे स्टेशन: कोटद्वार, रामनगर, खटीमा, काठगोदाम, टनकपुर, लक्सर)

क्र०सं०	मानक: रेलवे स्टेशन से कार्यस्थल की दूरी	गुणांक
1	B- श्रेणी के रेलवे स्टेशन से 15 किमी की दूरी अथवा C- श्रेणी के रेलवे स्टेशन से 5 किमी की दूरी तक के कार्यस्थल	9
2	B- श्रेणी के रेलवे स्टेशन से 16 किमी से 25 किमी की दूरी अथवा C- श्रेणी के रेलवे स्टेशन से 6 किमी से 20 किमी की दूरी तक के कार्यस्थल	8
3	B- श्रेणी के रेलवे स्टेशन से 26 किमी से 50 किमी की दूरी अथवा C- श्रेणी के रेलवे स्टेशन से 21 किमी की दूरी तक के कार्यस्थल	7
4	B- श्रेणी अथवा C-श्रेणी के रेलवे स्टेशन से 51 किमी० से 80 किमी० की दूरी तक के कार्यस्थल	6
5	B- श्रेणी अथवा C-श्रेणी के रेलवे स्टेशन से 81 किमी० से 110 किमी० की दूरी तक के कार्यस्थल	5
6	B- श्रेणी अथवा C-श्रेणी के रेलवे स्टेशन से 111 किमी० से 140 किमी० की दूरी तक के कार्यस्थल	4
7	B- श्रेणी अथवा C-श्रेणी के रेलवे स्टेशन से 141 किमी० से 180 किमी० की दूरी तक के कार्यस्थल	3
8	B- श्रेणी अथवा C-श्रेणी के रेलवे स्टेशन से 181 किमी० से	2

(Signature)

	220 किमी० की दूरी तक के कार्यस्थल	
9	B- श्रेणी अथवा C-श्रेणी के रेलवे स्टेशन से 221 किमी० से 260 किमी० की दूरी तक के कार्यस्थल	1
10	B- श्रेणी अथवा C-श्रेणी के रेलवे स्टेशन से 260 किमी० से अधिक की दूरी तक के कार्यस्थल	0

जोशी

आज्ञा से,

 (डॉ०एम०सी०जोशी)
 सचिव।